अथ चंद्राष्टोत्तर शतनामावळिः>

ओं श्रीमते नमः। ओं शशधराय नमः। ओं चंद्राय नमः। ओं ताराधीशाय नमः। ओं निशाकराय नमः। ओं सुधानिधये नमः। ओं सदाराध्याय नमः। ओं सत्पतये नमः। ओं साधुपूजिताय नमः। ओं जितेंद्रियाय नमः। ओं जयोद्योगाय नमः। ओं ज्योतिश्चक्र प्रवर्तकाय नमः। ओं विकर्तनानुजाय नमः। ओं वीराय नमः। ओं विश्वेशाय नमः। ओं विदुषांपतये नमः। ओं दोषाकराय नमः। ओं दुष्टदूराय नमः। ओं पुष्टिमते नमः। ओं शिष्टपालकाय नमः। ओं अष्टमूर्तिप्रियाय नमः। ओं अनंताय नमः। ओं कष्टदारुकुठारकाय नमः। ओं स्वप्रकाशाय नमः। ओं प्रकाशात्मने नमः। ओं द्युचराय नमः। ओं देवभोजनाय नमः। ओं कळाधराय नमः। ओं कालहेतवे नमः। ओं कामकृताय नमः। ओं कामदायकाय नमः। ओं मृत्युसंहारकाय नमः। ओं अमर्त्याय नमः। ओं नित्यानुष्ठानदाय नमः। ओं क्षपाकराय नमः। ओं क्षीणपापाय नमः। ओं क्षयावृद्धिसमन्विताय नमः। ओं जैवातृकाय नमः। ओं शुचये नमः। ओं शुभ्राय नमः। ओं जयिने नमः। ओं जयफलप्रदाय नमः। ओं सुधामयाय नमः। ओं सुरस्वामिने नमः। ओं भक्तानामिष्टदायकाय नमः। ओं भुक्तिदाय नमः। ओं मुक्तिदाय नमः। ओं भद्राय नमः। ओं भक्तदारिद्र्य भंजनाय नमः। ओं सामगान प्रियाय नमः। ओं सर्वरक्षकाय नमः। ओं सागरोद्भवाय नमः। ओं भयांतकृते नमः। ओं भक्तिगम्याय नमः। ओं भवबंध विमोचनाय नमः। ओं जगत्प्रकाश किरणाय नमः। ओं जगदानंद कारणाय नमः। ओं निस्सपत्नाय नमः। ओं निराहाराय नमः। ओं निर्विकाराय नमः। ओं निरामयाय नमः। ओं भूच्छायाच्छादिताय नमः। ओं भव्याय नमः। ओं भुवनप्रतिपालकाय नमः। ओं सकलार्तिहराय नमः। ओं सौम्यजनकाय नमः। ओं साधुवंदिताय नमः। ओं सर्वागमज्ञाय नमः। ओं सर्वज्ञाय नमः। ओं सनकादिमुनिस्तुताय नमः। ओं सितच्छत्रध्वजोपेताय नमः। ओं सितांगाय नमः। ओं सितभूषणाय नमः। ओं श्वेतमाल्यांबरधराय नमः। ओं श्वेतगंधानुलेपनाय नमः। ओं दशाश्वरथसंरूढाय नमः। ओं दंडपाणये नमः। ओं धनुर्धराय नमः। ओं कुंदपुष्पोज्वलाकाराय नमः। ओं नयनाब्जसमुद्भवाय नमः। ओं आत्रेयगोत्रजाय नमः। ओं अत्यंत विनयाय नमः। ओं प्रियदायकाय नमः। ओं करुणारस संपूर्णाय नमः। ओं कर्कटप्रभुवे नमः। ओं अव्ययाय नमः। ओं चतुरश्रासनारूढाय नमः। ओं चतुराय नमः। ओं दिव्यवाहनाय नमः। ओं विवस्वन्मंडलज्ञेयवासाय नमः। ओं वसुसुमृद्धिदाय नमः। ओं महेश्वरप्रियाय नमः। ओं दांताय नमः। ओं मेरुगोत्र प्रदक्षिणाय नमः। ओं ग्रहमंडलमध्यस्थाय नमः। ओं ग्रसितार्काय नमः। ओं ग्रहाधिपाय नमः। ओं द्विजराजाय नमः। ओं द्युतिलकाय नमः। ओं द्विभुजायनमः। ओं द्विजपूजिताय नमः। ओं औदुंबर नगावासाय नमः। ओं उदाराय नमः। ओं रोहिणीपतये नमः। ओं नित्योदयाय नमः। ओं मुनिस्तुत्याय नमः। ओं नित्यानंदफलप्रदाय नमः। ओं सकलाह्लादकराय नमः। ओं

पलाशसमिधप्रियाय नमः। इति चंद्राष्टोत्तर शतनामावळिः॥

For Qualitative Predictions & Potential Remedies visit:
www.astrovidya.com
Click here to go back